सी.पी. विद्या निकेतन इण्टर कालेज

कायमगंज, फर्रुखाबाद

(सी.पी.विद्या निकेतन इण्टर कालेज शिक्षण सोसाइटी, कायमगंज द्वारा संचालित)

विवरणिका (PROSPECTUS)

''सी.पी. से संस्कार,
संस्कार से सफलता''

हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. श्रीमती शकुंतला देवी
(अम्मा जी)

स्व. श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल (बाबू जी)
संस्थापक

''प्रबन्ध समिति''

श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल
प्रबन्धक

डा. मिथलेश अग्रवाल
उपाध्यक्ष

श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
अध्यक्ष

श्रीमती मोनिका अग्रवाल
सदस्य

श्री जयकुमार अग्रवाल
कोषाध्यक्ष

श्री अनुज कुमार अग्रवाल
सदस्य

श्री योगेश चन्द्र तिवारी
पदेन सदस्य/प्रधानाचार्य

संदेश

सी. पी. विद्या निकेतन ऐसा विद्यालय है जहाँ छात्र का सर्वांगीण विकास नैतिक मूल्यों को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसी शुभ उद्देश्य एवं गुरुतर दायित्व को दृष्टिगत करते हुए सन् 1995 में सी.पी. चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा माननीय श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल द्वारा सी.पी. विद्या निकेतन इण्टर काजेल की स्थापना की गई। संप्रति यह विद्यालय एक उत्कृष्ट एवं लब्ध प्रतिष्ठ शिक्षण संस्थान बन चुका है। ग्रामीण तथा नगरीय परिवेश के विद्यार्थियों की ज्ञान पिपासा को शान्त करते हुए उन्हें सुयोग्य मानव एवं राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने का दायित्व भली–भांति निभा रहा है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में इण्टरमीडिएट स्तर तक मान्यता प्राप्त है। विद्यालय का भव्य एवं सुसज्जित भवन अपने सुरम्य प्राकृतिक परिवेश के साथ इसके वैभव एवं गरिमा को पूर्णता प्रदान करता है। अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएँ, मानकों पर आधारित क्रीडा प्रांगण, कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ, समुचित संगीत शिक्षण व्यवस्था, शारीरिक विकास हेतु क्रिकेट, फुटबाल, विलियर्ड जैसे उच्च कोटि के खेलों की भी सम्पूर्ण व्यवस्था है। ''तैराकी पूर्ण व्यायाम है इस तथ्य को देखते हुए विद्यालय में वैज्ञानिक पद्धति से भव्य स्वीमिंग पूल का निर्माण करवाया गया है। शिक्षण व्यवस्था की दृष्टि से विद्यालय की अपनी विशिष्ट पहचान है। सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के संरक्षण में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों एवं विधियों के अनुसार दृश्य श्रव्य विधान द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रतिभाओं को निखारने एवं मुखर करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनियों, योग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन सम्पन्न होते रहते हैं। छात्रों की प्रगति, उनकी समस्याओं के निराकरण एवं उनकी रचनात्मक क्षमताओं की परख एवं सम्यक् विकास हेतु अभिभावक शिक्षक संगोष्ठियों के आयोजन भी किए जाते हैं ताकि छात्रों का निर्वाध विकास हो सके। विद्यालय में बुक बैंक एवं सुसमृद्ध पुस्तकालय की भी व्यवस्था है जहाँ छात्र लाभान्वित होते हैं तथा ज्ञान के कपाट भी खुलते हैं। यहाँ दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र–पत्रिकाएँ भी उपलब्ध कराई जाती है। विद्यालय का ध्येय है राष्ट्रोपयोगी, सजग, सुधी, मर्यादित एवं कर्मठ भावी नागरिकों का निर्माण अन्तराष्ट्रीय सद्भावना, विश्व बंधुत्व जैसी उज्जवल भावनाओं के विकास के साथ–साथ विश्व शान्ति का उद्घोष करने वाले, राष्ट्र को आलोकित करने वाले, ओजस्वी एवं तेजस्वी बालक–बालिकाओं का निर्माण यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र–छात्राऐं देश की उच्चतम सेवाओं में प्रतिभागिता कर रहे हैं। प्रतिवर्ष आई. आई.टी., नीट, सैन्य सेवाओं तथा अन्यान्य राष्ट्रपयोगी सेवाओं में चयनित होकर हमारे छात्र अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर रहे हैं। शिक्षा अज्ञान के अन्धकार में डूबे समाज को नया प्रकाश देती है। हमारा समाज जहाँ एक ओर विकास की चरम उचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरी ओर नैतिक और चारित्रिक उन्नति की ओर अग्रसर है। आज शिक्षा ग्रहण करने वाला छात्र कल निर्मित होने वाले राष्ट्र की नींव है। दृढ नींव पर ही विशाल भवन चिरकाल तक स्थिर होता है, इसलिए हम छात्रों में ऐसी सृजनात्मक प्रतिभा का विकास चाहते हैं जिससे वे आगे चलकर अपना ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण करें। आप सभी के सहयोग से हम अपने लक्ष्य की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। हमारे समाज का हर बच्चा पढ़े आगे बड़े, ज्ञान की ज्योति सर्वत्र फैले, यही मेरी अभिलाषा है। इसके लिए हम लोग मेधावी गरीब छात्रों को रियायती शुल्क पर शिक्षा प्रदान करते हैं। इन बच्चों में से हजारों की संख्या में इंजीनियर, डाक्टर बनकर परिवार, विद्यालय व समाज का नाम रोशन कर रहे है।

सत्य प्रकाश अग्रवाल
प्रबन्धक

'शिक्षा' एक ऐसा शब्द, जिसका पर्यायवाची तो सम्भव है परन्तु विकल्प नहीं। छात्र जो कि केवल नाम मात्र की जानकारियों के साथ भविष्य की सम्पूर्णआशाओं एवं मनोकामनाओं सहित विद्यालय में प्रवेश लेता है, इन्हें पूर्ण करना ही अध्यापक एवं विद्यालय की चुनौती है। इस अवधारणा को एक नई व्याख्या प्रदान करना, बच्चों को पराश्रित जीवन से मुक्त कराना, संस्कारयुक्त जीवन जीने की कला सिखाना एवं ज्ञान विस्तार ही शिक्षा एवं शिक्षक का एक मात्र कर्तव्य है। शिक्षा ही मनुष्य एवं पशु में अन्तर स्थापित करती है। इन बातों को पूर्णता प्रदान करने के लिए छात्र, शिक्षक एवं अभिभावक तीनों को उस प्रयास तक जाना है, जो सम्भव है। सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक दायित्वों को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के सफल प्रयास हेतु शिक्षा की महत्ता को किसी के द्वारा नकारा नहीं जा सकता हमारा विद्यालय इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत् प्रयासरत है एवं आपके द्वारा जिस विश्वास से बच्चे हमें दिये जाते है उस विश्वास को बनाये रखने के लिए हम निरन्तर कार्यरत हैं। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक शिक्षक विद्यालय में आवश्यक रूप से शिक्षण कार्य करे और प्रत्येक छात्र कक्षा में अध्ययनरत् हो। अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजना सुनिश्चित करें और यह भी जानकारी रहे कि छात्र विद्यालय मे उपस्थित हुआ या नहीं। आपके सहयोग से हम छात्र को सुरक्षित भविष्य देने का वादा करते हैं।

अंग्रेजी शिक्षा पर विशेष बल देने हेतु उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद से कक्षा VI एवं कक्षा IX में English Medium Classes भी शुरु हो गयी हैं। यद्यपि हमारे विद्यालय में English Conversation का Period अलग से होता है, जिससे विद्यार्थी अपने आपको किसी भी Competition योग्य बना सके तथा राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सकें।

डा. मिथलेश अग्रवाल
निदेशक

संदेश

The C.P. Group, aims to provide quality education to match global standards and aspire for excellence in all fields of life. We believe in helping the children to achieve their full potential as learners within a happy and caring atmosphere. For us the child is the centre and each child is unique. Our goal is to emphasize on what the child is good at rather than if he/she is good or not. The parents must understand the capabilities of the child and extend all the support to the school on working on the strength of the child to mould him/her to be the 'best'. We hope and firmly believe that agenda of bringing about 'playfulness' in learning, C.P. Vidya Niketan Inter College, will contribute towards making responsible citizens thereby a strong society which will result in making strong India. Wishing happy learning experience at C.P. Vidya Niketan Inter College.

Jai Kumar Agarwal
Treasurer

शिक्षा भागीरथी की पवित्र धारा के समान है जिस प्रकार भागीरथी की पवित्र धारा में विकृताकृति पत्थर भी सुंदर शालिगराम की मूर्ति का रूप ले लेते हैं जिन्हें समाज सृष्टि का सृजन हार मान कर पूजता है, उसी प्रकार शिक्षा रूपी भागीरथी की पवित्र धारा में शिक्षार्थी मानसिक, बौद्धिक एवं चारित्रिक विकृति से मुक्त होकर एक सुयोग्य सम्मानित चरित्रवान संस्कारवान एवं सृजनात्मक शक्ति से परिपूर्ण नागरिक बनकर देश व समाज का उद्धारक बनता है।

हमारी संस्था सी. पी. विद्या निकेतन इंटर कालेज कायमगंज सुयोग्य, संस्कारवान एवं चरित्रवान नागरिक गढ़ने के पवित्र कार्य में 1995 से निरंतर संलग्न है। हमारा ध्येय है 'ज्ञानार्जन के लिए हमारी संस्था में प्रवेश कीजिए तथा देश व समाज की सेवा का व्रत लेकर निष्क्रमण कीजिए।

हमारा उद्देश्य है ऐसे नागरिक बनाना, जो जहां भी जाएं अपने ज्ञान, चरित्र एवं मानव मूल्यों का प्रकाश प्रसारित करें तथा समाज में फैले अज्ञान एवं पाशविकता के अंधकार को दूर करके भारतवर्ष को पुन: विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान समर्पित कर सकें।

अनुज अग्रवाल
सदस्य

शिक्षा संस्कारों की जननी है, यह व्यक्ति के व्यक्तित्व की सुगन्ध को चतुर्दिक प्रसारित ही नहीं करती अपितु उसे सुयोग्य नागरिक बनाने में महती भूमिका निभाती है। अच्छे नागरिक ही उच्च आदर्श युक्त राष्ट्र के निर्माता होते हैं, इसीलिए हमारी संस्था अपने सतत् प्रयत्नों से सुसंस्कारित, निष्ठावान एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों के निर्माण हेतु कृत संकल्प है। हम छात्र के सर्वांगीण विकास के साथ ही यह भी अपना नैतिक उत्तर दायित्व मानते हैं कि यह छात्ररूपी बौद्धिक बीज आगे चलकर ऐसा विशाल वटवृक्ष बने जो अपनी मृदु छाया से अशिक्षा से आप्त जनों को शीतलता से अभिभूत कर दे और समाज को नई दिशा प्रदान कर उसकी दशा बदल दे। इस महनीय कार्य में आप सभी का सहयोग एवं सत्प्रेरणा निश्चय ही हमारे मार्ग को प्रशस्त करेगी तथा इस विद्यालय को पुष्पित एवं पल्लवित भी करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

पिछले 27 वर्षों से इस विद्यालय के तमाम छात्र इंजीनियर, चिकित्सक, शिक्षक, सेना व पुलिस के अधिकारी बनकर समाज व राष्ट्र को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, हमारा उद्देशय विद्यार्थियों को संस्कार युक्त, नैतिकता व चारित्रिक मूल्यों की कद्र करने वाले अच्छे नागरिकों का निर्माण करना है, सम्पन्नता मन की अच्छी होती है धन की नहीं क्यों कि धन की सम्पन्नता अहंकार देती है और मन की सम्पन्नता संस्कार देती है, अत: विद्यार्थियों को इतना सम्पन्न बनाना है कि वे अहंकार से दूर रहकर अपना व समाज का उत्थान कर सकें।

योगेश चन्द्र तिवारी
प्रधानाचार्य

प्रवेश नियमावली

1. विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रवेश फार्म तथा विवरणिका 250/– रुपये में प्राप्त की जा सकती है।
2. प्रार्थी को प्रवेश फार्म भरकर कार्यालय में प्रवेश परीक्षा तिथि से पूर्व अवश्य जमा कर देना चाहिये।
3. विद्यार्थी को जिस कक्षा में प्रवेश पाना है, उसके लिये एक लिखित प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसकी तिथि फार्म देते समय बतायी जायेगी।
4. प्रवेश परीक्षा का पाठयक्रम :– हमारे यहां मुख्यत : कक्षा 6 कक्षा 9 एवं कक्षा 11 में ही नवीन प्रवेश दिये जाते हैं। विशेष परिस्थितियों में कक्षा 7 एवं 8 की कक्षाओं में प्रवेश लिये जाते हैं।
5. प्रवेश परीक्षा का प्रत्येक प्रश्न पत्र 45 मिनट का होगा।
6. प्रवेश परीक्षा के पश्चात् छात्रों का चयन ''मैरिट'' के आधार पर किया जायेगा।
7. चयनित छात्रों को व्यक्तिगत साक्षात्कर हेतु अपने अभिभावकों के साथ आना अनिवार्य है।
8. चयनित छात्रों को प्रवेश प्राप्त करते समय स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (जनपद के बाहर से आये छात्रों का स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र प्रतिहस्ताक्षरित करवाकर) अंकपत्र, पिछड़ी या अनुसूचित जाति प्रमाण–पत्र, विकलांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड इत्यादि, शुल्क जमा करने के साथ ही जमा करना होगा।
9. प्रवेश लेते समय किसी भी प्रमाण पत्र के उपलब्ध न होने अथवा निर्धारित समय में शुल्क जमा न होने पर प्रवेश रद्द समझा जायेगा और विद्यार्थी जो प्रतीक्षा सूची में है, उन्हें अवसर प्रदान किया जायेगा।

सामान्य आचार संहिता

1. सभी छात्रों को प्रात : कालीन सभा से 10 मिनट पूर्व विद्यालय में पहुँच जाना चाहिये 5 मिनट से अधिक देर से आने वाले छात्रों को प्रार्थना सभा में सम्मिलित नहीं किया जायेगा तथा उन्हें घर वापस भेज दिया जायेगा। लौटने के बाद विद्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
2. छात्रों को विद्यालय का निर्धारित गणवेश पहनकर आना अनिवार्य है।
3. सभी छात्र प्रार्थना सभा तथा अन्य कार्यक्रमों में अनुशासनपूर्वक भाग लेंगे।
4. अनुशासन का उचित पालन करना प्रत्येक छात्र का कर्तव्य है। इसका उल्लंघन करने पर छात्र को दण्डित किया जायेगा।
5. प्रार्थना पत्र प्रेषित किये बिना छुट्टी लेने पर आर्थिक दण्ड लगेगा। अवकाश पत्र पर अभिभावक अपने हस्ताक्षर अवश्य कर सहयोग प्रदान करें।
6. विद्यालय में 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति पर परीक्षा से वंचित किया जा सकता है।
7. अभिभावक को यदि शिक्षक से मिलना हो तो उसकी लिखित स्वीकृति प्रधानाचार्य से प्राप्त करें। कक्षाओं में सीधा प्रवेश वर्जित है।
8. किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना मना है मूल्यवान वस्तुएं एवं मोबाइल फोन विद्यालय लाना वर्जित है।
9. प्रत्येक छात्र अपने व्यवहार एवं आचरण द्वारा संस्था के उच्च स्तरीय मूल्यों की रक्षा करेगा। संस्था का लक्ष्य उत्तम चरित्र का निर्माण करना है। इसलिये अपना सर्वाधिक सहयोग दें।
10. छात्रों को विद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों तथा क्रियाकलापों में स्वेच्छा से भाग लेना होगा।
11. घर के सेवक खाना पहुंचाने के लिये स्वयं कक्षाओं तक न जायें। विद्यालय के कर्मचारियों से इस कार्य हेतु सम्पर्क करें।
12. अभिभावकों को प्रधानाचार्य से सम्पर्क हेतु समय पूर्व निर्धारित करके मिलना होगा।

उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं पुनः प्रवेश

अच्छे परिणामों के लिये यह नितान्त आवश्यक है कि :

1. प्रत्येक छात्र की उपस्थिति कम से कम 75 प्रतिशत होनी अनिवार्य है। यदि छुट्टी लेनी ही पड़े तो अभिभावक द्वारा उपयुक्त कारण बताते हुये पहले प्रार्थना पत्र देना अनिवार्य है।
2. बिना प्रार्थना पत्र दिये विद्यालय न आना अनुपस्थिति माना जायेगा। और इसके लिये पांच रूपया प्रतिदिन दण्ड स्वरूप देय होगा। जो विद्यार्थी लगातार अनुपस्थित रहेंगे उनका नाम दस दिन बाद पृथक कर दिया जायेगा और दुबारा आने पर उनसे पुनः प्रवेश के लिये 500/– का अतिरिक्त शुल्क जिसे ''पुनः प्रवेश शुल्क'' कहा जाता है। लिया जायेगा।
4. यदि छात्र अनुपस्थित रहने का अभ्यस्त और लापरवाह किस्म का पाया गया तो उसे एक बार से अधिक अवसर नहीं दिया जायेगा।
5. ग्रीष्मावकाश के पश्चात् विद्यालय खुलने के प्रथम तीन दिन अनुपस्थित रहने पर छात्र का नाम पृथक कर दिया जायेगा।
6. शुल्क प्राप्त न होने की स्थिति में प्रत्येक माह की 30 तारीख को छात्र का नाम स्वतः पृथक हो जायेगा।

अभिभावक-अध्यापक संगोष्ठी

विद्यालय में प्रत्येक खण्ड परीक्षा के पश्चात् अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का पाल आयोजन किया जाता है, जिसकी सूचना उन्हें अपने पाल्य द्वारा मिलती है। अभिभावकों का दायित्व है कि वे इस संगोष्ठी में उपस्थित होकर अपने पाल्य के बारे में उचित जानकारी प्राप्त करें तथा छात्र की आगे उन्नति करने में अध्यापकों की सलाह के साथ सहमत हो ताकि छात्र का उचित विकास हो सके और समय पर उसकी कमजोरियों को दूर किया जा सकें।

अनुशासन

1. यदि कोई छात्र एक कक्षा में दो बार अनुत्तीर्ण होता है तो उसे विद्यालय से निष्कासित किया जायेगा।
2. यह छात्र जिसके अभिभावक कार्यालय द्वारा पत्र प्राप्ति के पश्चात् कार्यालय से सम्पर्क नहीं करते हैं और उनका पुत्र/पुत्री अपेक्षित शैक्षणिक प्रगति नहीं कर पाता है तो उस कक्षा में दुबारा पढ़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
3. छात्र को कक्षा में पुनः प्रवेश देने के सम्बन्ध में विद्यालय का अपना निर्णय सुनिश्चित है। वे छात्र जो अध्यापकों के निरन्तर प्रयास से भी अपनी प्रगति नहीं कर पाते ऐसे छात्रों को प्रधानाचार्य विद्यालय से निकाल लिये जाने का अनुरोध अभिभावकों से कर सकते हैं।
4. परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग छात्र द्वारा किये जाने पर प्रथम बार उसे सम्बन्धित विषय में शून्य दिये जाने का प्रावधान है। दूसरी बार गलत साधन का प्रयोग करने पर छात्र को विद्यालय से निकालने का प्रावधान रखा गया है।
5. छात्र द्वारा अनुशासनहीनता करने पर उसे उचित रूप से अनुशासित किया जायेगा। विद्यालय की अनुशासन समिति किसी भी छात्र या छात्रा को दोषी पाये जाने पर उन्हें पीले या लाल रंग के कार्ड जारी करेगी और दो बार इस कार्ड की प्राप्ति किसी भी छात्र के निष्कासन का कारण बन सकती है। ऐसे में प्रधानाचार्य अभिभावकों को छात्र निष्कासन हेतु पत्र लिख सकता है।
6. प्रत्येक अभिभावक से निवेदन है कि वे अपने पाल्य की जेब खर्च से 5/– प्रतिमाह का सहयोग पीड़ित एवं निर्धन छात्रों हेतु प्रदान करवाने को प्रेरित करें।

अभिभावक सहयोग

1. बालक की प्रगति पूर्व सर्वांगीण विकास विद्यालय तथा अभिभावक के सम्मिलित प्रयास से ही सम्भव है। अतः छात्रों की अपेक्षित प्रगति एवं सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावकों से आग्रह है कि वे निरन्तर अपना सहयोग करे।
2. विषयाध्यापक या कक्षाध्यापक द्वारा छात्र से सम्बन्धित पत्र को पाते ही कार्यालय से सम्पर्क करना चाहिये। अध्यापक से मिलना प्रधानाचार्य से अनुमति लेने के बाद ही सम्भव होगा।
3. अध्यापक द्वारा विद्यालय में सामूहिक अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन आवश्यकता पड़ने पर किया जाता है।
4. प्रधानाचार्य द्वारा भेजे गये पत्रों के सम्बन्ध में विद्यालय कार्यालय में अवश्य आयें।
5. अपने पाल्य को सभी शिक्षणेत्तर क्रिया कलापों में भाग लेने हेतु उत्साहित करे।
6. विद्यार्थियों में अच्छी आदतों के विकास में सहयोग करें।
7. अपने पाल्य की संगति पर विशेष निगाह रखें। प्रायः बहुत सी अनुशासनहीनताओं का प्रारम्भ कुसंगति से होता है।
8. छात्र को निर्धारित समय से 10 मिनट पहले विद्यालय पहुंचने की आदत डालें।
9. अभिभावकों को विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिये और जब आमंत्रित हो तब अवश्य जाना चाहिये।
10. अभिभावकों के सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया स्वस्थ सुझाव दें।
11. प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को निम्न लिखित प्रमाणपत्र जमा कराना अनिवार्य है।
    अ. स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र।
    ब. पिछली कक्षा का अंक पत्र।
    स. जाति/उपजाति का तहसीलदार हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र।
    द. चरित्र प्रमाण–पत्र (कक्षा 6.7.8 को छोड़कर)।
    य. दो फोटो पासपोर्ट साइज रंगीन।
    र. आधार कार्ड की छायाप्रति।

पाठ्यक्रम सहयोगी क्रियायें

1. वाद विवाद प्रतियोगितायें
2. निबन्ध प्रतियोगितायें
3. सामान्य ज्ञान प्रतियोगितायें
4. विज्ञान प्रदर्शनी
5. चित्रकला एवं पेन्टिंग प्रदर्शनी
6. सांस्कृतिक कार्यक्रम
7. संगीत एवं नृत्य
8. कम्प्यूटर प्रशिक्षण
9. स्काउट्स एण्ड गाइड प्रशिक्षण
10. स्क्रैप आर्ट प्रशिक्षण
11. कक्षा सज्जा प्रतियोगिता
12. प्रश्नमंच प्रतियोगिता
13. एन. सी. सी. प्रशिक्षण
14. विभिन्न खेलकूद

(अ) फुटबाल (ब) वॉलीबाल (स) क्रिकेट (द) टेबिल टेनिस
(न) कबड्डी (म) बास्केटबॉल (य) स्कैटींग (र) खोखो
(ल) बैडमिन्टन

विज्ञान प्रयोगशालाएं

विज्ञान शिक्षण बिना प्रयोग के अधूरा है। अतः विद्यालय में भौतिक विज्ञान, रसायन एवं जीव विज्ञान की अलग–अलग पूर्ण रूप से सुसज्जित प्रयोगशालायें हैं। इन प्रयोगशालाओं में एक साथ 40–40 छात्र आसानी से अपना प्रयोग कर सकते हैं। यहां संगीत और कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अतिरिक्त व्यवस्था है।

विज्ञान प्रयोगशाला नियमावली

1. विज्ञान प्रयोगशाला में छात्रों को उपकरण एवं अन्य वस्तुओं का उचित ढंग से प्रयोग करना होगा। विज्ञान अध्यापक प्रधानाचार्य की अनुमतिसे अपेक्षित सामान छात्र को इशू कर सकता है लेकिन उसे प्रयोगशाला से बाहर नहीं ले जाया जा सकता।
2. प्रयोगात्मक कार्य करते समय यदि किसी उपकरण या एपरेटस की टूट–फूट होती है या खोई हुई दर्ज की गई तो उसका पुनर्स्थापन्न (रिप्लेसमेंट) प्रतिस्थापन सभी छात्रों द्वारा किया जायेगा या उसके लिए सामूहिक जुर्माना किया जायेगा वार्षिक परीक्षा से पूर्व सभी प्रयोगशालाओं का अदेय प्रमाण पत्र लेना होगा।
3. वार्षिक परीक्षा से पूर्व सभी प्रयोगशालों का अदेय प्रमाण पत्र लेना होगा।

प्रवेश के लिए पाठ्यक्रम

कक्षा–6

गणित

संख्याएँ– जोड़, घटाना, गुणा, भाग, महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक, भिन्नों का जोड़, घटाना, गुणा एवं भाग, दशमलव संख्या और साधारण भिन्न प्रतिशत लाभ एवं हानि, ऐकिक नियम, साधारण ब्याज, ज्यामिति त्रिभुज, वृत्त, क्षेत्रफल, आयतन और धारिता।

विज्ञान

1– सजीव वस्तुएँ जन्तुओं और पौधों में समानता तथा अन्तर पौधों और जन्तुओं का पर्यावरण के अनुसार अनुकूलन के अभाव में विलुप्त होती प्रजातियों की जानकारी, यांज का अंकुरण, बीजों का निरीक्षण, अच्छे एवं खराब बीज की पहचान 2– मानव शरीर पोषण एवं स्वास्थ्य मानव कंकाल, पेशियां और गतियां, हड्डियों के कार्य, मांसपेशियों के कार्य, जोड़ों की जानकारी, सही आसनों की जानकारी, कुपोषण और उसके प्रभाव, पौष्टिक तत्वों को आवश्यकता संतुलित भोजन, विटामिन के प्रकार, विटामिन की कमी से होने वाले रोग संक्रामक रोग एवं उनकी रोकथाम 3– मृदा अपरदन तथा मृदा संरक्षण, मिट्टी का कटाव (मृदा अपरदन) एवं उसका संरक्षण मिट्टी से परिचय, मृदा अपरदन में सहायक कारकों की पहचान, मृदा अपरदन को रोकने के उपाय 4– वायु एवं उसकी उपयोगिता वायु के गुण, संघटन एवं उपयोगिता वायु प्रदूषण के विभिन्न कारक, वायु प्रदूषण से हानियां एवं उनके रोकने के उपाय 5– वल, कार्य, उर्जा, वल की जानकारी, गुरुत्व बल, विद्युतीय बल, पेशीय बल, चुम्बकीय बल कार्य की जानकारी, उर्जा की आवश्यकता, ऊर्जा के स्रोत, उर्जा के दुरुपयोग रोकने के उपाय, सरल मशीने, उत्तोलक, घिरनी, झुका तल 6 पृथ्वी और आकाश, छाया और ग्रहण छाया के आकार में सम्बन्ध, ग्रहण (सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण) चन्द्रमा का घटते बढ़ते दिखाई पड़ना। 7– कम्प्यूटर, कम्प्यूटर के भाग, कम्प्यूटर की कियाविधि, कम्प्यूटर की उपयोगिता

हिन्दी

भाषा की परिभाषा, मात्राएँ, वर्तनी की शुद्धता, शब्दार्थ, पर्यायवाची शब्द (धरती, आकाश, राजा, कमल, जल, समुद्र, नदी, गंगा, सूर्य) विलोम शब्द, मुहावरे, शुल्क मुक्ति के लिए अवकाश प्राप्ति हेतु प्रधानाचार्य को पत्र, निवन्ध, गाय, मेरा विद्यालय, होली, दीपावली आदि।

अंग्रेजी

Alphabet (running small letters) name and type of part of speech, vowels & consonants word meaning, numbers, spelling, use of this & that] complete words, days name, months name, essay The Cow, The Dog, Application for leave.

कक्षा–7

गणित

प्राकृतिक पूर्ण एवं पूर्णांक संख्याएँ–पूर्ववर्ती, उत्तरवर्ती, स्थानीय मान, सबसे बड़ी एवं छोटी संख्या जोड़ घटाना एवं गुणाभाग के गुणधर्म निरपेक्ष मान, कोष्ठकों का उपयोग।
2– बीजगणित की अवधारणा संख्याओं और अक्षर संख्याओं का मूल सकियाएँ, अक्षर संख्याओं की घात, चर एवं अचर संख्याऐं। 3– अपवर्तक तथा अपवर्त्य, लघुत्तम समापवर्तक, महलम समापवर्तक, लसप और मसप में सम्वन्ध 4– वाणिज्य गणित, प्रतिशतता, लाभ प्रतिशत, हानि प्रतिशत, समानुपात, साधारण व्याज 5– बीजगणितीय व्यंजक व्यंजक व्यंजकों के पद एवं पदों के गुणनखण्ड, सजातीय और विजातीय पद, बीजीय व्यजंको का जोड़ एवं घटाना। 6– कोण, कोण की माप, कोण के प्रकार, पटरी और परकार की सहायता से कोण बनाना 7– क्षेत्रमिति– वृत्त, वृत्त की त्रिज्या, व्यास, जीवा, चाप, वृलखण्ड, त्रिज्यखण्ड का क्षेत्रफल घन एवं घनाभ का आयतन। 8– रैखिक समीकरण, रैखिक समीकरण के हल, दैनिक जीवन पर आधारित रेखीय समीकरण के वार्तिक प्रश्न

विज्ञान

दैनिक जीवन में विज्ञान, मापन, गति, वल और यंत्र, जीव जगत जीवों की रचना और कियाऐं, वायु जल, दर्जा पदार्थो का पृथ्क्करण परिवर्तन के प्रकार, कम्प्यूटर।

हिन्दी

भाषा एवं व्याकरण की परिभाषा, संज्ञा एवं संज्ञा के भेद। तत्सम, तदभव, तदभव शब्द, विलोम शब्द पर्यायवाची शब्द (गाय, गणेश, पार्वती, पकाश, माता, शत्रु, आग, नदी, जल) वर्तनी की शुद्धता कंठस्थ की हुई कविता, अनुप्रास एवं यमक अलंकार, दीर्घ सन्धि पत्र पिताजी से रुपये मंगाने के लिए पत्र लिखिए नव वर्ष के उपलक्ष्य में अपने मित्र को शुभकामना संदेश भेजिए। निबन्ध राष्ट्रीय पर्व–स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गान्धी जयंती

अंग्रेजी

Name of the part of speech define (noun, pronoun, adjective, verb, adverb) Fill A or An complete spelling- Fill (is/as/are/was/were) Translation essay (The Cow, The Dog, My School, My Friend) Letter & Application for leave and concession.

प्रवेश के लिए पाठ्यक्रम

कक्षा–8

गणित

परिमेय संख्याएँ– परिमेय संख्याओं के प्रगुण, परिमेय संख्या का सरलतम या मानक रूप तथा निरपेक्ष मान दो पूर्णाकों के मध्य परिमेय संख्या परिमेय संख्याओं का समायोजन घातांक, उप घातीय संकेतन के आधार एवं घातांक घातांकों के नियम (घनात्मक आधार पर – परिमेय संख्याओं को पात के रूप में व्यक्त करना। गुणात्मक प्रतिलोम, किसी भी संख्या को मानक रूप या वैज्ञानिक पद्धति में व्यक्त करना। बाणिज्य गणित समानुपात, अनुलोम, और प्रतिलोम समानुपात, प्रतिशतता, लाभ हानि, बट्टा आयकर साधारण ब्याज एवं चकवृद्धि ब्याज। व्यंजकों का गुणनफल एवं सर्वसमिकाएं। व्यंजकों का गुणा सर्वसमिकाएँ सर्वसामिकाओं का अनुप्रयोग व गुणनखण्ड तथा प्रकार के व्यंजकों का गुणनखण्ड। रैखिक समीकरणों प्रकार को हल करना। π का मान ज्ञात करना संख्या सम्बंधी आयु सम्बंधी, ज्यामिति संबंधी प्रश्न हल करना। ज्यामितीय चतुर्भुज के विशिष्ट प्रकारों से सम्बन्धित प्रश्न, वृत्त, अर्द्धवृत्त के बने कोण माप द्वारा केन्द्र पर बने कोण तथा उसी माप द्वारा परिधि पर बने कोण पर आधारित प्रश्न क्षेत्रफल, आयत, वर्ग, त्रिभुज, समान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल घन और घनाभ के सम्पूर्ण पृष्ठ, आयतन एवं विकर्ण की लम्बाई।

विज्ञान

भोजन स्वास्थ्य एवं रोग, कम्प्यूटर इनपुट डिवाइस आउटपुट डिवाइस, मानव विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पदार्थ की संरचना एवं प्रकृति, अम्लक्षार, लवण, उप्पा, प्रकाश, ध्वनि, स्थिर विद्युत, उर्जा, जल, वायु, साभदायक चीजें एवं जन्तु ।

हिन्दी

विशेषण एवं विशेषण के भेद, कारक चिन्ह एवं उपसर्ग (अति, अनु, दूर, उप, अनि के योग से शब्द बनाएँ) वाक्य शुद्धि, विराम चिन्हों का प्रयोग, पर्यायवाची शब्द (किनारा, गाय, घोड़ा, मनुष्य, हृदय, सरस्वती, श्रीकृष्ण, कष्ट, मृत्यु, पाप आदि सन्धि, दीर्घ एवं गुण। समास–द्वन्द्व समास पत्र अपने पिताजी को पत्र लिखकर वार्षिकोत्सव के बारे में बताइए, अपने मित्र को दीपावली अवकाश में अपने घर बुलाने हेतु पत्र लिखिए। निवन्ध पुस्तकालय का महत्व, किसी मेले का वर्णन, देश–प्रेम, खेलों का महत्व, अलंकार अनुप्रास एवं यमक

अंग्रेजी

Name parts of Speech, Numbers, Gender, Definition, Noun, Pronoun, Adjective,Verb, Adverb etc, fill in the blanks (article, A, An, The, Pronoun, Adjective, Prepositions, Translation (Essay (My School] My Principal, My Mother) Application for leave & fee concession

कक्षा–9

गणित

1–वर्ग एवं वर्गमूल भागविधि एवं गुणनखण्ड विधि के वर्गमूल परिमेय संख्याओं का वर्ग एवं वर्गमूल ज्ञात करना। क्षेत्रफल ज्ञात होने पर वर्ग की भुजा ज्ञात करना। 2–धन एवं घनमूल–गुणनखण्ड विधि से घनमूल परिमेय संख्याओं का घन तथा घनमूल ज्ञात करना। आयतन प्राप्त होने पर घन की भुजा ज्ञात करना। 3– सर्वरामिकाएँ :– a^3+b^3, a^3+b^3, $(a+b)^3$, $(a-b)^3$, $(a+b+c)^2$ आदि के प्रखर एवं संक्षिप्त रूप ज्ञात करना। 4– बीजीय व्यंजकों का भाग एवं गुणनखण्ड भागविधि से भागफल व शेषफल ज्ञात करना। सर्वसमिकाएँ $(a+b)^2$- $(a-b)^2$, oa a^2-b^2 के प्रयोग करके गुणनखण्ड ज्ञात करना। मध्यपद का दो भागों में विभाजित करके गुणनखण्ड ज्ञात करना। 5– एक चर एवं दो चरों वाले रेखिक समीकरण–विलोपन एवं प्रतिस्थापन विधि का प्रयोग कर समीकरण हल करना संख्या सम्बन्धी आयु सम्बन्धी मिन्न सम्बन्धी, कोण सम्बन्धी दो अंकीय संख्या सम्यन्धी वार्तिक प्रश्नों की समीकरण बनाकर हल करना। 6–चक्रवृद्धि मिश्रधन, दर, समय, मूलधन, ब्याज आदि ज्ञात करना सूत्र $A=P(1+R/100)^n$ का प्रयोग। जनसंख्या वृद्धि, अवमूल्यन सम्बन्धी, वार्षिक, छमाही एवं तिमाही में ज्ञात करना। 7– वृत्त, व्यास एवं त्रिज्या सम्बन्ध में प्रश्न, चक्रीय चतुर्भुज की विशेषता, अर्द्धवर्त का कोण, जीवा पर डाला गया सम्बन्धी प्रश्न वृत्त की स्पर्श रेखाएँ। 8– सांख्यिकी, समान्तर माध्य, माध्यिका (वर्गीकृत–अवर्गीकृत) ज्ञात करना आरोही अवरोही कम, वारंवारता वंटन का बहुलक 9– समापवर्तक– दो सिक्कों को एक साथ उछालने पर परिणाम दो पासों का एक साथ उछालने पर परिणाम 10– क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन) समलम्ब, त्रिभुज, वृत्त, आयत का क्षेत्रफल एवं वेलन एवं शंकु का वक्रपृष्ठ ज्ञात करना। 11–निर्देशांक ज्यामिति– चतुर्थाश ज्ञान में बिन्दु की स्थिति।

विज्ञान

विज्ञान कार्बन औरउसके यौगिक, उर्जा के वैकल्पिक स्रोत खनिज एवं धातु. मानव निर्मित वस्तुएँ चल्य तथा दाव, प्रकाश और प्रकाश यंत्र, पुम्बकीय सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पन्न रोग प्रतिरक्षण एवं टीकाकरण, लाभदायक सूक्ष्म जीवी, एन्टीबायटिक पदार्थ, विद्युत धारा अनुकूलन एवं जीव विकास जीवन की प्रतिक्रियाएँ, रक्त की संरचना।

हिन्दी

विदेशी एवं देशज शब्दों की परिभाषा, किया की परिभाषा, विराम चिन्ह का प्रयोग। वत्सम तद्भव शब्द, विलोम शब्द अनेकार्थी शब्द, अम्बर, जग, कुल, कक्ष, अर्क, द्विज पर्यायवाची शब्द, चांद, तालाब, देवता, राक्षस, नारी, इश्वर, आंख, अश्व, दिन, पिता । मुहावरे वाक्याशों के लिए एक शब्द, सन्धि, दीर्घ, गुण यण आदि समास–कर्मधारय अव्ययी भाव। प्रत्यय आई, आहट, अक, इया, प्रत्यय लगाकर शब्द बनाना। अलंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष (उदाहरण एवं परिभाषा) पत्र अपने मित्र को पत्र लिखिए जिसमें छात्रावास की जानकारी दी गई हो या अपने छोटे भाई को सदाचार के महत्व पर पत्र लिखिए। निबन्ध– टेलीविजन से लाभ–हानि तथा रक्षाबन्धन, कम्प्यूटर, विजय पर्व दशहरा

अंग्रेजी

Parts of Speech, Subject and Predicate, Noun, Numbers, Gender, Pronoun, Adjective, Verb, Pronoun, A तथा an का प्रयोग Change affirmative sentence in to negative sentence, spelling करना use of it and there, is, am, are, was were का प्रयोग, Present indefinite tense, past, future tense, essay Indian Farmer, The School, My best Friend Letter & application for fee concession and T.C. opposite words, this, that, those, these का प्रयोग

प्रवेश के लिए पाठ्यक्रम

Class IX (English Medium)

कक्षा–11

English

1. An Essay (200-250 words)
2. Formal/ Informal Letter
3. Use of Appropriate verb form
4. Unseen Passage
5. Prepositions
6. Subject verb Agreement
7. Narration
8. Active and Passive Voice
9. Vocabulary

Maths

1. Square Root
2. Factors
3. Compound Interest
4. Percentage
5. Exponents
6. Simultaneous linear Equation
7. Area and Perimeters of Triangle circle, Rectangle.
8. Volume & S.A of Cube & cuboids, Cylinder, cone.

Science

1. Transformation of Substances.
2. Metals and non-metals
3. Coal & Petroleum
4. Elements and Compounds.
5. Electricity (Electrostatic).
6. Energy
7. Force & Pressure
8. Chemical Effect of Electric Current (Electric Cell).
9. Reflection of Light
10. Optical Instrument.
11. Friction
12. Fluid Pressure.
13. Reproduction in living organisms. (Sexual & Asexual)
14. Environment & pollution (cause & control)
15. The cell (plant cell & animal cell)
16. Living Things
17. Biological Process.

General Knowledge

भौतिक विज्ञान

1. प्रकाश का परावर्तन तथा अपवर्तन
2. मानव नेत्र तथा रंग बिरंगा संसार
3. विद्युत तथा विद्युत धारा के ऊष्मीय प्रभाव
4. विद्युत धारा के चुम्बकीय प्रभाव तथा विद्युत चुम्बकीय प्रेरण

रसायन विज्ञान

1. रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण
2. अम्ल क्षार एवं लवण
3. धातु एवं अधातु
4. कार्बन एवं उसके यौगिक
5. तत्वों का आवर्त वर्गीकरण

जीव विज्ञान

1. जैवप्रकम
2. नियन्त्रण एवं समन्वय
3. जीव जनन कैसे करते हैं
4. आनुवंशिकता एवं जैव विकास
5. ऊर्जा के श्रोत
6. हमारा पर्यावरण
7. प्राकृतिक संसाधनों का संपोषित प्रबन्धन

गणित

1. वास्तविक संख्याएं ल0 स0 व म0 स0।
2. बहुपदों का योग, अंतर, गुगनरुल, विभाजन, गुणनखण्डन।
3. दो चर राशियों में रैखिक समीकरण
4. द्विघात समीकरण
5. समांतर श्रेणी
6. त्रिभुज
7. निर्देशाक ज्यामिति कार्तीय तल।
8. त्रिकोणमिति परिचय का एवं अनुप्रयोग।
9. वृत एवं वृत से सम्बन्धित क्षेत्रफल
10. मेन्सुरेशन (पन पनाम, बेलन, गोला शंकु के पृष्ठीय क्षेत्रफल व आयतन)
11. सांख्यिकी समांतर माध्य, माध्यिका व बहुलक
12. प्रायिकता।

अंग्रेजी

Re Ordering, interchange of sentence active and passive voice, direct and indirect, correct form of verbs, translation, Inter/ application for T.C. & Extra Coaching course, Essay My best Friend, my town, My village, My School/My college

पुस्तकालय नियमावली

1. पुस्तकालय की मर्यादा को बनाते हुए शान्ति पूर्वक निर्धारित स्थान पर बैठकर अध्ययन करें जिससे अन्य बच्चे भी लाभान्वित हों।
2. छात्रों को पुस्तकें एक निश्चित समय के लिये प्रदान की जाती हैं (एक सप्ताह के लिये) जिन्हें समय पर न लौटाने पर 2 रुपया प्रतिदिन की दर से अर्थदण्ड देय होगा।
3. पुस्तकालय का परिचय पत्र बनवाकर अधिकतम लाभ प्राप्त करें।
4. पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त पुस्तकों पर लिखनें, फाड़ने या उन्हें किसी प्रकार का कोई नुकसान पहुंचाने पर आर्थिक दण्ड देय होगा।
5. पुस्तक के खो जाने पर या तो नई पुस्तक लाकर देनी होगी या उसके मूल्य की दुगनी कीमत दण्ड स्वरूप देनी होगी।
6. वार्षिक परीक्षा से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालय को लौटानी होगी और अदेय प्रमाण–पत्र लेना होगा।

स्थानान्तरण नियमावली

1. यदि अभिभावक अपने वार्ड को विद्यालय से अन्यत्र कहीं ले जाना चाहता है तो अभिभावक को एक माह पूर्व विद्यालय के कार्यालय को सूचित करना होगा। अन्यथा अगले एक माह का शुल्क देना होगा।

2. वे छात्र जिनका व्यवहार संतोषजनक नहीं है या शिक्षा ग्राह्यता न्यूनतम है उन्हें प्रधानाचार्य स्वयं टी.सी. दे सकते हैं।

3. टी.सी. लेने के लिए तीन दिन पहले विद्यालय के प्रधानाचार्य को आवेदन करना होगा।

4. टी.सी. प्रतिहस्ताक्षरित कराने पर एक सप्ताह का समय लग सकता है।

परीक्षाएं

1. विद्यालय में दो खण्ड परीक्षाओं का प्रावधान है अर्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा।
2. अर्द्धवार्षिक परीक्षा अक्टूबर / नवम्बर में एवं वार्षिक परीक्षा फरवरी/मार्च माह में आयोजित की जाती हैं।
3. दोनों परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग प्रतिशतांक पर उत्तीर्ण अनुत्तीर्ण का निर्णय लिया जायेगा।
4. परीक्षा के दौरान कोई छुट्टी नहीं दी जायेगी। विद्यार्थी के अस्वस्थ होने की स्थिति में अभिभावक को तुरन्त कार्यालय में सूचना देनी होगी। बिना सूचना के मेडिकल सर्टिफिकेट स्वीकार नहीं किया जायेगा।
5. परीक्षा में उपस्थित होने के लिए न्यूनतम 75% दैनिक उपस्थिति अनिवार्य है।
6. कक्षा X व XII की बोर्ड परीक्षा बोर्ड के आदेशानुसार व नियमनुसार सम्पन्न होंगी। Pre Board Exams में उपस्थित होना और अच्छे अंको से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
7. प्रत्येक खण्ड परीक्षा के पश्चात् परिणाम–पत्र अभिभावकों के पास भेजा जाता है। अभिभावकों का दायित्व है कि वे उसे देखकर अपने हस्ताक्षर करें और समय पर वापस भेजें। वापस कार्ड न मिलने पर उसकी द्वितीय प्रतिलिपि प्राप्त करने हेतु 100/– का दण्ड देना होगा।
8. परीक्षा परिणाम पत्र को साफ व सुंदर बनाये रखें और इस बात के लिये सजग रहें कि आपके वार्ड ने आपको कार्ड दिखाया या नहीं।

विद्यालय समय व विद्यालय गणवेश

ग्रीष्मकालीन	शीतकालीन
माह– अप्रैल से अक्टूबर तक समय– प्रात : 7 :20 से दोपहर 1 :30 तक गणवेश– छात्रों के लिए सोमवार से शुक्रवार तक काई फुल पैण्ट क्रीम कलर की कमीज, टाई, बैल्ट, स्किन कलर के मोजे, काले फीतेदार स्कूल जूते। छात्राओं के लिए कत्थई ट्यूनिक, क्रीम कलर की कमीज, टाई बैल्ट, स्किन कलर के मोजे, काले जूते।	माह– नवम्बर से मार्च तक समय–प्रात : 8 :00 से दोपहर 2 :00 तक गणवेश– छात्रों के लिए सोमवार शुक्रवार तक स्लेटी फुल पेण्ट, सफेद कलर की कमीज, नीला स्वेटर, नीला कोट टाई, बैल्ट, स्किन कलर के मोजे, काले फीतेदार स्कूल जूते। छात्राओं के लिए स्लेटी ट्यूनिक, सफेद, कलर की कमीज, नीला स्वेटर, नीला कोट टाई बैल्ट, स्किन कलर के मोजे, काले जूते।
शनिवार के लिए प्रत्येक शनिवार को पूर्णत: सफेद गणवेश में पी0टी0 शूज (कपड़े वाला) में आना अनिवार्य है।	
विद्यालय समय व विद्यालय गणवेश का अनुपालन करना विद्यालय की एकता और समता के साथ साथ अनुशासन का अभिन्न अंग है।	

खेल और शारीरिक शिक्षा की वेश सज्जा

शारीरिक शिक्षा (पी.टी) के निर्धारित दिनों में पूरी सफेद यूनीफार्म छात्र एवं छात्राओं को पहननी अनिवार्य है। खेल के चक्र में भी सफेद जूते पहनना अनिवार्य है।

सदनों की वेश सज्जा :– विद्यालय में छात्र–छात्रों के चार सदन है। जिनकी देश सज्जा निम्नलिखित रंग की होगी तथा छात्र कमीज नेकर तथा छात्राएं कमीज, डिवाइडेड स्कर्ट अपने हाउस के रंग के बनवायें।

सुभाष हाउस : पीला
गांधी हाउस : हरा
नेहरू हाउस : नीला आसमानी
टेगोर : लाल

मासिक शुल्क व परिवहन शुल्क भुगतान नियमावली

1. प्रत्येक माह की 5, 10, 15 तिथि तक मासिक शुल्क एवं परिवहन शुल्क बिना विलम्ब शुल्क के साथ जमा किया जाता है।
2. प्रत्येक माह की 15 तारीख के पश्चात 20, 25, 30 तिथि तक विलम्ब शुल्क जमा करना होगा।
3. माह की अन्तिम तिथि तक शुल्क न दिये जाने पर छात्र को 50/– रू0 विलम्ब शुल्क देना होगा तथा 15 तारीख के बाद छात्र का नाम काट दिया जायेगा। नाम कट जाने पर पुन : प्रवेश लेना होगा, जिसका शुल्क 100/– होगा।
4. नाम दुबारा लिखवाते समय जितना भी बकाया होगा, उसका भुगतान पूरा–पूरा करना होगा।
5. यदि छात्र नये सत्र में एक भी दिन उपस्थित होता है और उसे बाद में विद्यालय से निकालने की आवश्यकता पड़ती है तो अभिभावक को छ: माह की पूरी फीस का भुगतान करना होगा।
6. जो छात्र सत्र के मध्य में विद्यालय छोड़ेंगे उनके अभिभावकों को सत्र के अन्त तक की फीस का पूर्ण भुगतान करना होगा। तभी स्थानान्तरण प्रमाण पत्र दिया जा सकेगा।
7. विद्यालय का समस्त शुल्क समय से जमा करना चाहिये अन्यथा विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से रोका जा सकता है, परीक्षा परिणाम देने से इन्कार किया जा सकता है तथा घर वापस भेजा जा सकता है।

हमारी प्रतिज्ञा

भारतवर्ष हमारा राष्ट्र है हम सब भारतवासी भाई–बहन हैं। हमें अपना राष्ट्र प्राणों से भी प्यारा है। हमें इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर गर्व हैं। हम अपने माता–पिता, शिक्षकों व अपने से बड़ों का आदर करेंगे और उनके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादर रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

अभिभावक से निवेदन / अपील

1. आप सभी सम्मानित अभिभावकों से निवेदन किया जाता है कि समय–समय पर प्रत्येक खण्ड परीक्षा के पूर्व व पश्चात होने वाले अध्यापक शिक्षक संगोष्ठी में उपस्थित होकर अपनें पाल्य की प्रगति का अवलोकन करें और अध्यापकों से मिलकर उचित सलाह/सुझाव प्रदान करें, जिससे पाल्य की कमजोरियां को समय से दूर कर उसका समुचित विकास किया जा सके।
2. सभी सम्मानित अभिभावकों से निवेदन कि विषय से सम्बन्धित पुस्तकें अपने बच्चों को समय से उपलब्ध करायें। विद्यालय में एक–दूसरे की पुस्तकें और कापियां लेकर पढ़ना अनुचित व अव्यवहारिक है।
3. सभी विषयों की पुस्तकें और कापियां, स्कूल यूनीफार्म, टाई व बेल्ट बाजार में कहीं से खरीदी जा सकती है
4. अपने बच्चों का विद्यालय के द्वारा कराये गए कार्य का अवलोकन अवश्य करें।
5. बच्चों को घर पर स्वाध्याय के लिए प्रेरित करें। इन्हें होम टयूशन के लिए प्रेरित न करें। पठन–पाठन से संबन्धित समस्याओं के लिए छुट्टी के बाद सम्बन्धित विषयाध्यापक से मिलकर निदान करें।
6. अभिभावक स्कूल समय में किसी विषयाध्यापक से न मिलें यदि कोई आवश्यक कार्य हो तो प्रधानाचार्य से सम्पर्क करने के बाद मिलें।
7. बच्चों को साफ–सुथरा गणवेष में विद्यालय भेजें। निर्धारित समय से 5 मिनट पहले भेजें। उन्हें न तो समय से बहुत पहले या समय के बाद भेजें। यदि बच्चे स्कूल वाहन से आते हैं तो निर्धारित स्टाप पर समय से 5 मिनट पूर्व पहुँचें अन्यथा वाहन छूट जाने पर बच्चों को स्कूल छोडने की जिम्मेदारी अभिभावक की होगी।
8. अभिभावक अपना सम्पर्क सूत्र (मोबाइल नं0) विद्यालय को उपलब्ध करायें और यदि मोबाइल नं0 बदलता है तो इसकी लिखित सूचना विद्यालय को तत्काल उपलब्ध करायें।
9. स्थानीय बच्चों को पैदल या साइकिल से भेजने के लिए प्रेरित करें। मोटर साइकिल से बच्चे को न भेजें। यदि किन्ही विषम कारणों से बच्चे को मोटर साइकिल उपलब्ध कराते हैं तो उसकी लिखित सूचना विद्यालय को उपलब्ध करायें तथा परिवहन विभाग के मानक के अनुसार वाहन का फिटनेस, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस आदि कागजात साथ में होना अनिवार्य है, व हेलमेट का उपयोग करें।

New Fee Structure for the Session 2022-2023

HINDI MEDIUM

Fee Particulars	Collection Frequency	VI	VII	VIII	IX	X	XI Science	XII Science	XI Commerce	XII Commerce
Tuition Fee	Monthly	800	850	900	1300	1300	1500	1500	1500	1500
Annual Charges	Annual	2700	2700	2700	3200	3200	3700	3700	3200	3200
Enrollment	Only Admission Time	1000	1000	1000	1500		1500		1500	
Registration Fee (IX&XI)	Annual				200		200		200	
Examination Fee (IX-XI)	Annual					500		700		700
New Student	Total Fees	4500	4550	4600	6200		6900		6400	
Old Student	Total Fees	3500	3550	3600	4500	5000	5400	5900	4900	5400

ENGLISH MEDIUM

Fee Particulars	Collection Frequency	IX	X
Tuition Fee	Monthly	1600	1600
Annual Charges	Annual	3500	3500
Enrollment	Only Admission Time	1500	
Registration Fee (IX&XI)	Annual	500	
Examination Fee (IX-XI)	Annual		800
New Student	Total Fees	7100	
Old Student	Total Fees	5600	5900

Note: 1. Class IXth & Xth Computer Students 100/- per month Extra Charges

2. Total 5% discount in Total Fee advance deposit at the time.

अब्राहम लिंकन का अपने पुत्र के शिक्षक के नाम एक पत्र

''मै जानता हूँ कि उसे पढ़ाया जायेगा कि सभी मनुष्य सच्चे नहीं होते''
न्याय प्रिय नहीं होते किन्तु उसे यह भी पढ़ाना कि,
संसार में दुष्ट होते हैं तो आदर्श नायक भी होते हैं।
उसे पढ़ाना कि, जीवन में शत्रु हैं तो मित्र भी हैं।
यह काम श्रम साध्य है, मुझे पता है।
किन्तु उसे प्रबोध देना कि
श्रमार्जित एक डालर बिना श्रम किये
पांच डालर से अधिक मूल्यवान है।
उसे सिखाना कि पराजित कैसे हुआ जाता हैं?
यदि तुम उसे सिखा सको
तो सिखाना कि ईर्ष्या से दूर कैसे रहा जाता हैं?
नीरव हट्टहास सा गुप्त मंत्र भी उसे सिखाना
प्रारम्भ से ही उसे बता देना कि जरखरेज गुण्डों को वश में करना,
बहुत सरल है।
यदि तुम कर सको, तो उसे
पुस्तकों के आश्चर्य लोक का ज्ञान अवश्य कराना।
किन्तु उसे इतना समय भी देना कि वह नीलाम्बर में संचरण करते
विहगवृन्द के शाश्वत सत्य को जान सके
हरे भरे पर्वतों के अंक में खिले
पुष्प–सौन्दर्य का अवलोकन कर सके।
उसे सिखाना कि पाठशाला में अनुत्तीर्ण होना
अधिक सम्मानजनक है अपेक्षा किसी को धोखा देने के।
उसे स्वयं के विचारों में अस्था सिखाना चाहे उसे सभी यह कहें–
यह विचार गलत है
– तब भी उसे सिखाना कि सज्जन के साथ सज्जन रहना
और कठोर के साथ कठोर मेरे पुत्र को ऐसा मनोबल देना
कि वह भीड़ का अनुसरण न करे।
और जब भी एक स्वर में गाते हैं
उसे सिखाना कि तब वह धौर्य से सूने
किन्तु वह जो कुछ सुने उसे सत्य की छलनी में छान ले
और केवल शिवम् को स्वीकार करे।
और यदि सिखा सको तो सिखाना कि
गमगीनी में कैसे हँसा जाता है
उसे समझाना कि आँसुओं में कोई शर्म की बात नहीं होती
उसे सिखाना और यह भी कि अधिक मधुभषियों से
सावधान भी रहना है।
उसे सिखाना कि अपना मस्तिष्क और विचार
अधिकतम बोली लगाने वालों को ही बेचे
किन्तु अपने हृदय और आत्मा पर मूल्य पट्ट भी नहीं टाके।
उसे समझाना कि शोर चिल्लाहट वाली भीड़ पर कान न दे
और यदि वह समझे कि वह सहीं है, तो उस पर दृढ़ रहे और लड़े
उसके साथ सुकोमल व्यवहार करना पर अत्यधिक उसे दुलारना भी मत
क्योकिं अग्नि परीक्षा ही इन्सान को सुन्दर सुदृढ़ बनाती हैं।
अधीर होने का साहस भी उसमें उत्पन्न करना।
और बहादुर होने का धैर्य भी। उसे सिखाना कि वह सदैव
अपने आप में उदात्त आस्था रखे
क्योकिं तभी वह मनुष्य जाति में उदात्त आस्था रख पायेगा।
यह एक बड़ा आदेश है, देखना कि तुम उसके लिये
कितना क्या कर सकते हो वह बहुत ही सुकुमार अबोध हैं।

सी.पी. विद्या निकेतन इण्टर कालेज

कम्पिल रोड, कायमगंज-209502 (फर्रुखाबाद)

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (उ.प्र.) द्वारा मान्यता प्राप्त

सम्पर्क सूत्र: 9648939455, 56, 57, 58

E-mail : cpvn1995@gmail.com

For Both Hindi & English Medium